यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार : 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2019–22/173/2020 **दिनांक :** 13.11.2020

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

- **11वां द्विपक्षीय समझौता हस्ताक्षरित**
- **बैंक कर्मचारियों को एआईबीईए की ओर से प्लेटिनम जयंती उपहार**

हम यहाँ एआईबीईए केन्द्रीय कार्यालय द्वारा जारी परिपत्र संख्या 28/250/2020/88 दिनांक 12.11.2020 का अनूदित सार अपनी सभी इकाईओं एवं सदस्यों की सूचना एवं संज्ञान हेतु नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रिय साथियों,

- **11वाँ द्विपक्षीय समझौता हस्ताक्षरित**
- **बैंक कर्मचारियों को एआईबीईए की ओर से प्लेटिनतम जयंती उपहार**
- **शुभकामनायें और बड़े पैमाने पर बधाईयां**
- **आपने हमारे आगे के अभियान में एक और मील का पत्थर बनाया है**
- **एक राष्ट्र – एक वेतन हासिल किया गया**

जब से 20 अप्रैल, 1946 को एआईबीईए की स्थापना हुई, तब से बैंक कर्मचारियों के वेतन और सेवाशर्तों में सुधार करने का प्रयास हमारी बुनियादी प्रतिबद्धता का हिस्सा रहा है। प्रबंधन द्वारा जंगल कानून शोषण के उन दिनों से, हमने न्यायाधिकरणों के समक्ष दलील के दिनों तक की यात्रा की और असंतोषजनक अवार्डों का सामना किया।

ट्रिब्यूनलाईजेशन से द्विपक्षीयता तक : फिर 1966 से द्विपक्षीयवाद के युग की शुरूआत हुई जब एआईबीईए ने महान संघर्ष किया और उस समय किसी भी उद्योग में पहली बार द्विपक्षीय समझौता हासिल किया। बैंकों में द्विपक्षीय समझौता दूसरों द्वारा अनुसरण करने के लिए एक पहचान बन गया और इस तरह एआईबीईए अग्रणी और गति–निर्धारक बन गया। यह एक प्रवृत्ति बन गई और एआईबीईए ने इसके बाद 1970, 1979, 1984, 1989, 1995, 2000, 2005, 2010 और 2015 में 10 द्विपक्षीय समझौते हासिल किए। यह लगातार 11वां है – 11वाँ द्विपक्षीय समझौता जिस पर एआईबीईए ने कल हस्ताक्षर किए हैं। एआईबीईए एकमात्र संगठन है जिसने अब तक के सभी 11 द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। हम कानूनी तौर पर इसके बारे में गर्व महसूस कर सकते हैं। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

द्विपक्षीयता पर हमले : यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि पिछले पांच दशकों में, तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को थोपने के लिए इस द्विपक्षीय प्रणाली को समाप्त करने के अनगिनत प्रयास हुए हैं। हमने इन प्रयासों का लगातार विरोध किया है। इस बार भी, न्यायाधिकरण को थोपने के लिए एआईबीईए–विरोधी ताकतों द्वारा गंभीर प्रयास किए गए

जारी पृष्ठ 2

थे। हमें खुशी है कि हम इन कुटिल चालों को पराजित कर सके एवं एक और द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर कर सके इस प्रकार सामूहिक सौदेबाजी और द्विपक्षीयता के कठिनाई से अर्जित अधिकार की रक्षा कर सके जो हमारे नेताओं साथी प्रभात कार और साथी एच एल परवाना द्वारा हमें वसीयत में दिए गए हैं।

इसी तरह, पहले की तरह, इस बार भी अदालत से कुछ स्थगन आदेश प्राप्त करके कानूनी अड़चने पैदा करने के लिए अंतिम मिनट तक प्रयास जारी थे। इन सभी बुराई से प्रेरित प्रयासों को विफल किया जा सका और समझौता हस्ताक्षरित हो सका। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

एक राष्ट्र – एक वेतन – अनूठी उपलब्धि : पहले की अवधि से, जब बैंक कर्मचारी का वेतन बैंक के आकार और उसके काम करने की जगह जैसे कि ए श्रेणी का बैंक, बी श्रेणी का बैंक, सी श्रेणी का बैंक, और डी श्रेणी का बैंक तथा जनसंख्या के आधार पर क्षेत्र I, II, III और IV के आधार पर भिन्न होता था, हमने 1970 में 2सरे द्विपक्षीय समझौते में समान मूल वेतन/वेतनमान हासिल किया लेकिन कुल परिलब्धियां बैंकों की श्रेणी और कर्मचारी के कार्य के स्थान पर आधारित थीं।

आज हम बहुत प्रसन्न और गौरवान्वित हैं कि इस 11वें द्विपक्षीय समझौते में, हम **एक राष्ट्र एक वेतन** हासिल कर सके जिसके द्वारा किसी भी बैंक और किसी भी स्थान पर काम करने वाला कर्मचारी को एकसमान कुल परिलब्धियां मिलेंगी। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

कठिन परिस्थितियों में हासिल किया : हम इस तथ्य को नहीं भूल सकते कि कि हमारा देश अभी से कोविड19 द्वारा उत्पन्न चुनौतियों और स्वास्थ्य खतरे से बाहर नहीं है। कोविड19 की वजह से, हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को गत्यावरोध और स्फीति–गतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। जीडीपी में गिरावट आई है और ऊपर आने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। किसी भी अन्य उद्योग या क्षेत्र में, वेतन संशोधन और वेतन वृद्धि की बातचीत नहीं है। वास्तव में, दूसरी ओर, कई क्षेत्रों में कामगारों को वेतन कटौती, वेतन में कमी, आदि का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों के लिए भी, डीए स्थिर किया जा चुका है। यह इस प्रतिकूल स्थिति में है कि हमने वेतन वृद्धि हासिल की है। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

सरकार की नीतियां इतनी अनुकूल नहीं हैं – फिर भी हम हासिल कर सके : हम सभी वर्तमान सरकार की श्रम नीतियों को जानते हैं। यह किसी भी तरह से कामगारों के अनुकूल नहीं है। यहां तक कि न्यूनतम मजदूरी से लाखों कामगारों को वंचित किया जा रहा है। श्रम कानूनों और श्रम अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। श्रम संगठनों की भूमिका को कम किए जाने के प्रयास हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इस परिदृश्य में, हम समझौते को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम हैं। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

बैक कठिन दौर से गुजर रहे हैं, फिर भी हम इसे हासिल कर सके : हम यह भी जानते हैं कि सभी बैंक अच्छा नहीं कर रहे हैं। बैंक विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। एनपीए बढ़ रहे हैं और राजस्व स्तर चिंता का विषय है। इसलिए लाभप्रदता बैंकों के लिए एक प्रमुख मुद्दा है। कोविड19 ने उनकी समस्याओं को बढ़ाया है। इसलिए, जबकि अधिक वेतन की हमारी मांग अत्यधिक न्यायोचित और काफी वाजिब है, हमें बातचीत के दौरान बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ा। आईबीए ने तुच्छ 2% से शुरूआत की और 15% के स्तर अर्थात **रू. 7,898 करोड़** (कामगारों के लिए रू. 3,385 करोड़ और अधिकारियों के लिए रू. 4,513 करोड़) तक पहुंचने के लिए हड़तालों सहित कई प्रयास किए गए। यह रू. 4725 करोड़ की तुलना में बहुत अधिक है जो हमने 2015 में 10वें द्विपक्षीय समझौते में हासिल किया (कामगारों के लिए रू. 2270 करोड़ और अधिकारियों के लिए रू. 2455 करोड़), वेतन पुनरीक्षण में बढ़ोतरी की कुल मात्रा में लगभग 70% की वृद्धि। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

प्रबंधन के विभिन्न प्रतिकूल प्रस्ताव विफल हो गए : जब हमने मई, 2017 में अपना मांग–पत्र प्रस्तुत किया, तो प्रबंधन/आईबीए ने चर्चा और समाधान किए जाने के लिए प्रबंधन के मुद्दों के रूप में विभिन्न मुद्दे प्रस्तुत किए जिसमें हमारे सभी नियमित कार्यों को आउटसोर्स करने की अनुमति, कॉस्ट टू कंपनी पैकेज की शुरूआत, निश्चित वेतन और परिवर्तनीय वेतन प्रणाली, कर्मचारियों को स्थानांतरित करने के लिए लचीलापन, सार्वजनिक हित में कर्मचारियों की समयपूर्व सेवानिवृत्ति, आदि शामिल थे। आईबीए बातचीत के दौरान इन सभी मुद्दों को लेकर आया लेकिन अपने तर्कों और दृष्टिकोणों के माध्यम से, हम इन सभी प्रस्तावों को विफल कर सके। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

जारी पृष्ठ 3

सेवाशर्तों में सुधार सुरक्षित : वेतन वृद्धि के अलावा, विभिन्न सेवाशर्तों में सुधार किया गया है। विशेष भत्ते और परिवहन भत्ते में सुधार किया गया है और डीए को आकर्षित करेगा, अवकाश लाभों जैसे रूग्णावकाश, प्रसूति अवकाश, पितृत्व अवकाश, विशेष आकस्मिक अवकाश/कर्फ्यू अवकाश, पीडब्ल्यूडी के लिए विशेष आकस्मिक अवकाश, अवकाश किराया छूट, विराम भत्ता, पर्वतीय एवं ईंधन भत्ता, अन्य सभी भत्तों, आदि में सुधार किया गया है। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

सभी केन्द्रों पर समान मकान किराया भत्ता : मकान किराए भत्ते में एक उल्लेखनीय सुधार है। पहले द्विपक्षीय समझौते में, मकान किराया भत्ता मुम्बई और कोलकाता में रू. 11 से रू. 25 तक था। 7 लाख और इससे अधिक आबादी वाले स्थानों में, यह 9 रूपये से 18 रूपये था। अन्य स्थानों में, कोई मकान किराया भत्ते का भुगतान नहीं किया जाता था। 1984 में चौथे द्विपक्षीय समझौते में, ग्रामीण क्षेत्र की शाखाओं को भी एचआरए के भुगतान के लिए कवर किया गया लेकिन विभिन्न केन्द्रों में दरें भिन्न थीं। इस समझौते में, पहली बार, सभी केन्द्रों में सभी कर्मचारियों के लिए एचआरए का भुगतान 10.25% पर किया जाएगा। इसके अलावा, जहां कि एक कर्मचारी को प्रबंधन द्वारा स्थानांतरित किया जाता है (अनुरोध के अलावा), तो वह किराए की रसीद प्रस्तुत करके अपने एचआरए के 150% पर एचआरए का दावा कर सकता है। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

नए लाभ शुरू किए गए : प्रदर्शनबद्ध प्रोत्साहन की एक नई योजना इस वर्ष से शुरू की गई है जिसके तहत सभी कर्मचारियों को बैंक के लाभ के आधार पर अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा। इसी तरह, विशेषाधिकार अवकाश 5/7 दिनों तक के किसी भी एक त्यौहार के लिए प्रत्येक वर्ष लिया जा सकता है। पहली बार, यह सहमति हुई है कि सीएआईआईबी/जेएआईआईबी पास करने वाले अधीनस्थ कर्मचारी को लिपिकीय संवर्ग की तरह अतिरिक्त वेतनवृद्धि मंजूर की जाएगी। एक और अवरोध वेतनवृद्धि शुरू की गई है और आवधिकता को 2 वर्ष में एक बार सभी के लिए समान बनाया गया है। इस समझौते में ये सभी नए लाभ हैं। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

सेवानिवृत्ति लाभ बढ़ेंगे : अनियंत्रित मुद्रास्फीति और रूपये की कीमत में लगातार गिरावट के इन कठिन दिनों में, जबकि हमारे वेतन महत्वपूर्ण हैं, उतने ही महत्वपूर्ण हमारे सेवानिवृत्ति के बाद के लाभ हैं। इस समझौते के तहत, सेवानिवृत्ति लाभों को भी सुधारने पर ध्यान दिया गया है। अप्रैल, 2010 के बाद बैंकों में शामिल होने वाले युवा कर्मचारियों के लिए, नई पेंशन योजना में प्रबंधन का अंशदान मौजूदा 10% के बजाय 14% होगा अर्थात् कोष के लिए बैंक का अंशदान की राशि में 40% वृद्धि। वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए, ग्रेच्युटी, पेंशन, संराशिकरण और अवकाश नकदीकरण राशि में वृद्धि होगी। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

पारिवारिक पेंशन में सुधार किया जा रहा है : यह समझौते में ही दर्ज किया गया है कि पारिवारिक पेंशन को बिना किसी सीमा के 30% की समान दर से संशोधित किया जाएगा। इससे सभी मौजूदा पारिवारिक पेंशनरों की पारिवारिक पेंशन में वृद्धि होगी। निस्संदेह यह मौजूदा कर्मचारियों, जिनका दुर्भाग्य से सेवा के दौरान या सेवानिवृत्ति के बाद निधन हो गया, के परिवारों पर भी लागू होगा। **यह वास्तव में एक अनूठी उपलब्धि है।**

सब आपकी एकता के कारण है – इसे बनाये रखें : प्रिय साथियों, यह सभी अनूठी उपलब्धियां आपकी एकता, जुझारूपन और संगठन में विश्वास के कारण संभव थीं। बेशक, उपलब्धि एआईबीईए में एक परंपरा है। आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें। आप सभी को बड़े पैमाने पर बधाईयां।

हम इस समझौते को साथी प्रभात कार और साथी परवाना की पवित्र स्मृति को समर्पित करते हैं जो बैंकिंग उद्योग में द्विपक्षीयता के वास्तुकार हैं।

यह समझौता हमारे सभी सदस्यों के लिए एआईबीईए की ओर से एक उपहार है जब हम 75वां वर्ष मना रहे हैं – हमारे प्रिय एआईबीईए की प्लेटिनम जयंती।

लाभों का आनंद लें। **उपलब्धियों को दूसरों को बतायें।**
अज्ञानियों को शिक्षित करें। **बुराई से प्रेरित लोगों को हटायें।**
एआईबीईए को सुदृढ़ करने का प्रयास करें – यह आपका है।

आपका साथी
ह...
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री